हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 14 दिसंबर, 2025

11 नशे के खिलाफ जागरूकता तेज 8 ड्रग पीड़ितों की हुई काउंसलिंग

12 नेशनल लोक अदालत में 19168 मामलों का निपटारा

सीएम ने किया पंचनद सदन का उद्घाटन, 31 लाख ग्रांट की घोषणा

विभाजन की त्रासदी को जीवित रखेगा सदन : मुख्यमंत्री सैनी

पगड़ी पहनाकर किया स्वागत, सीएम को स्मृति चिन्ह किया भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सीएम नायब सैनी शनिवार को फतेहाबाद दौरे पर रहे। सीएम ने सबसे पहले पंजाबी समाज की ओर से बनाए गए पहले पंचनद सेवा सदन का उद्घाटन किया। सीएम ने पंचनद सेवा सदन को 31 लाख रुपये की ग्रांट देने की घोषणा की। सीएम के यहां पहुंचने पर पंचनद सेवा ट्रस्ट के प्रधान किशोरी लाल नारंग, प्रोजेक्ट चेयरमैन राधेश्याम नारंग ने पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। इस मौके पंचनद के वरिष्ठ सदस्य अनिल असीजा, पूर्व नगरपरिषद प्रधान दर्शन नागपाल ने सीएम को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह पंचनद की ही भूमि है, जहां सभी धर्म और संस्कृति पनपी, फली-फूली और एक-दूसरे के साथ सद्भाव में विकसित हुई। यहां की तहजीब, यहां का भाईचारा, यहां की मेहमान-नवाजी और यहां की कर्मठता पूरे विश्व में प्रसिद्ध थी। इतिहास में कुछ ऐसे अध्याय भी होते हैं जो दर्द और पीड़ा से भरे होते हैं। सीएम नायब सैनी ने कहा, वर्ष 1947 में देश विभाजन के समय इसी भूखंड पर दुनिया की भीषण त्रासदी घटित हुई थी। एक सभ्यता और संस्कृति को क्रूरता की तलवार से दो हिस्सों में काट दिया गया। सीएम ने कहा कि आज हमने जिस सदन का उद्घाटन कर किया है, उसका उद्देश्य उस इतिहास को जीवित रखना है, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस त्रासदी को कभी न भूलें और राष्ट्रीय एकता के महत्व को समझें।

फतेहाबाद। पंचनद सदन का उद्घाटन करते सीएम नायब सिंह सैनी व समारोह में मंचासीन सीएम नायब सिंह सैनी, साथ हैं प्रोजेक्ट चेयरमैन राधेश्याम नारंग।

पंचनद कार्यकर्ताओं की लगन-परिश्रम का प्रमाण

सीएम नायब सैनी ने कहा कि मुझे याद है कि इस सदन का शिलान्यास 13 दिसंबर 2020 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कर-कमलों से किया गया था। 5 वर्षों में यह एक भव्य इमारत के रूप में हमारे सामने खड़ा है। यह भवन पंचनद स्मारक ट्रस्ट के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की लगन, समर्पण और अथक परिश्रम का साक्षात प्रमाण है। इससे पूर्व समारोह में पंचनद सेवा ट्रस्ट के प्रधान किशोरी लाल नारंग ने पंचनद के कार्यों बारे जानकारी दी वहीं प्रोजेक्ट चेयरमैन राधेश्याम नारंग ने पंचनद सदन के निर्माण को लेकर लोगों द्वारा दिए गए सहयोग की जानकारी दी। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कमुार बेदी, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, विधायक विनोद भ्याना, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक सुभाष सुधा, दुड़ा राम, बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा भी मौजूद रहे।

पंचनद ट्रस्ट को हरसंभव सहयोग करेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार पंचनद संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और विभाजन विभीषिका के इतिहास को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के इस महान कार्य में पंचनद सेवा ट्रस्ट के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी और हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि पंचनद सदन हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगा और राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता तथा सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करेगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक दुड़ाराम, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने अपने संबोधन में पंचनद सदन के नवनिर्मित भवन की सराहना की। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, हांसी विधायक विनोद भ्याना, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक दुड़ाराम, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, जिला परिषद चेयरमैन सुमन खिचड़, हरियाणा एग्रो चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा आदि मौजूद रहे

भूना। ढाणी भोजराज-सांचला स्थित नव ज्योति हाई स्कूल। फोटो : हरिभूमि

स्कूल में छात्राओं से मारपीट का मामला

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सख्त शिक्षा विभाग व पुलिस से रिपोर्ट तलब

- छात्राओं से अमानवीय व्यवहार के आरोपों पर आयोग ने लिया संज्ञान, दो सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट देने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

ब्लॉक के ढाणी भोजराज-सांचला स्थित नव ज्योति हाई स्कूल में छात्राओं के साथ हुई गंभीर मारपीट और उत्पीडऩ के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। भिवानी की सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता मीना शर्मा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर आयोग ने संज्ञान लेते हुए हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग और पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की रिपोर्ट तलब की है। मीना शर्मा ने बताया कि शिकायत के अनुसार स्कूल के निदेशक द्वारा कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं की दो छात्राओं के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। आरोप है कि मोबाइल फोन मिलने के बाद छात्राओं को थप्पड़ मारे गए, उनके बाल खींचे गए और उन्हें जमीन पर गिरा दिया गया। यह पूरी घटना विद्यालय में लगे सुरक्षा कैमरों में रिकॉर्ड हुई है। एडवोकेट मीना शर्मा ने कहा कि घटना अत्यंत गंभीर है और इसके स्पष्ट वीडियो प्रमाण मौजूद होने के बावजूद शिक्षा विभाग और पुलिस प्रशासन द्वारा समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे पीड़ित छात्राएं और उनके परिजन मानसिक पीड़ा से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के मौलिक अधिकारों और मानवाधिकारों का खुला हनन भी है।

निर्देश दिए

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले को मानवाधिकार संरक्षण कानून के अंतर्गत गंभीर मानते हुए हरियाणा के प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग तथा पुलिस अधीक्षक, फतेहाबाद को निर्देश दिए हैं। आयोग ने आदेश दिए हैं कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट आयोग के समक्ष प्रस्तुत की जाए। मीना शर्मा ने मांग की है कि दोषी स्कूल प्रबंधन और आरोपी के विरुद्ध तुरंत आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। साथ ही पीड़ित छात्राओं को परामर्श, सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्यालय की मान्यता और प्रबंधन की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच कर सख्त कार्रवाई करने की भी मांग उठाई है।

खबर संक्षेप

हेरोइन सहित युवक को गिरफ्तार किया

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए सीआईए टोहाना पुलिस ने हेरोइन सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि सीआईए टोहाना की टीम गश्त एवं नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु नरवाना टी-प्वाइंट, टोहाना क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सतीश कुमार उर्फ भज्जी नहर के पुल के पास हेरोइन बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश में खड़ा है।

केबल चोरी के मामले में दो आरोपियों को पकड़ा

फतेहाबाद। भुना पुलिस ने केबल चोरी के मामले में कार्रवई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि निर्मल सिंह पुत्र कश्मीर सिंह निवासी गांव खासा पठाना द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसके खेत में लगे सोलर पैनल की केबल को काटते हुए दो व्यक्ति मौके पर देखे गए, जो उसे देखकर केबल सहित फरार हो गए।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने दहेज उत्पीडऩ एवं मारपीट के एक मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी हनुमान दास पुत्र कर्मचंद निवासी आर्य नगर, अबोहर, पंजाब को काबू किया है। महिला थाना फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक अरुणा ने बताया कि उक्त मामला महिला शिकायतकर्ता की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

पालसर धाम में स्वास्थ्य जांच शिविर आज

रतिया। बाबा चांदीराम धाम, गांव पालसर में रक्तदान शिविर व निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैम्प रविवार 14 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। सर्वेश हेल्थ सिटी हिसार के सौजन्य से आयोजित यह कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा। निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच कैम्प में सर्वेश हेल्थ सिटी की टीम द्वारा बीपी, शुगर, की जांच कर यथासंभव दवाईयां भी फ्री दी जाएंगी। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में काफी संख्या में युवा रक्तदान करेंगे।

नपा कर्मचारियों से किया दुर्व्यवहार, आरोपी काबू

भूना। भुना पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के एक मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू किया है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि नगरपालिका कार्यालय भुना से प्राप्त शिकायत में अवगत कराया गया कि शांति निकेतन स्कूल वाली गली, भुना में आरोपी अशोक कुमार पुत्र रामकुमार निवासी खैरी, हिसार वर्तमान निवासी भुना द्वारा गली की ब्लॉक उखाडऩे के साथ-साथ मौके पर पहुंचे नगरपालिका कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया।

शिविर में 25 यूनिट रक्त किया एकत्रित

रतिया। सर्व कल्याण मंच की तरफ से शहर के सति माता मंदिर परिसर में शनिवार को नागरिक हस्पताल फतेहाबाद की टीम के सहयोग से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 25 यूनिट रक्तदान किया। सर्व कल्याण मंच के ब्लॉक अध्यक्ष सुखेंद्र नहला ने बताया कि शनिवार को सती माता मंदिर परिसर में रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जैसे पुनीत कार्य से जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है। हर व्यक्ति को रक्तदान जरूर करना चाहिए।

लाखों की हेरोइन सहित चार काबू

- 100 ग्राम 31 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पुलिस ने ऑपरेशन हॉट स्पॉट डोमिनेशन अभियान के तहत नशा तस्करों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए सिरसा जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से चार नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये की हेरोइन बरामद की है। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने शनिवार को बताया कि सीआईए सिरसा पुलिस टीम रेलवे फाटक से होते हुए कीर्तिनगर की तरफ जा रही थी। इस दौरान पुलिस टीम जब कंगनपुर मोड़ के नजदीक पहुंची तो तीन युवक सडक़ किनारे स्कूटी रोक कर खड़े थे, जो कि सामने पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर तीनों युवकों को काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से 100 ग्राम 31 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान दीपक उर्फ दर्पण निवासी सिरसा, संदीप निवासी गांव कुम्हारिया व अनिल निवासी मेला ग्राउंड सिरसा के रूप में हुई है।

सिरसा। पकड़े गए हेरोइन तस्कर।

बलियाला हेड निर्माण में नियमों की अनदेखी

- गोरखपुर परमाणु संयंत्र की नहर से जुड़ा मामला, घटिया क्वालिटी की ईंटों का वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

बलियाला हेड पर नहरी विभाग द्वारा गोरखपुर परमाणु संयंत्र में जाने वाली नहर के हेड निर्माण में ठेकेदार द्वारा नियमों की अवहेलना करते हुए पिल्ली ईंटे लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस कार्य को देखते हुए आमजन ने शनिवार को फतेहाबाद आने वाले सीएम नायब सैनी से जांच की मांग की है ताकि ऐसे ठेकेदार व अधिकारियों पर कार्यवाही की जा सके। बलियाला हेड की तरफ सैर के लिए राकेश, बंटी, संजय, विजय ने बताया कि नहरी विभाग द्वारा करोड़ों रुपए की लागत से यह हेड निर्माण का कार्य किया जा रहा है लेकिन ठेकेदार द्वारा इस कार्य को करने में अनियमितता बरती जा रही है जबकि अधिकारियों द्वारा ठेकेदार पर कोई कार्यवाही भी नहीं की गई है जिससे उक्त कार्य में भ्रष्टाचार की बू आ रही है। सरकार द्वारा करोड़ों रुपए उच्च स्तरीय गुणवत्ता के साथ कार्य करने के लिए दिए जाते है लेकिन अधिकतर रुपए भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते है।

टोहाना। नहर निर्माण में लगाई जा रही घटिया क्वालिटी की ईंटें। फोटो : हरिभूमि

गुणवत्ता से समझौता नहीं

इस बारे में नहरी विभाग के एसडीओ महेंद्र सिंह ने बताया कि करीबन दो करोड़ की लागत से परमाणु संयंत्र को जाने वाली नहर के हेड को बनाने के उक्त निर्माण कार्य को किया जा रहा है। पहले कुछ ईंटें पिल्ली क्वालिटी की आई थी इसके बाद भट्ठा बदलवाकर ईंटे मंगवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। मौके पर मौजूद पिल्ली ईंटों पर एसडीओ ने कहा कि इसे हटवाया जाएगा।

2911 विद्यार्थियों ने दी 6वीं में प्रवेश की परीक्षा

ओढां। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा में सत्र 2026 - 27 में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन शनिवार को सिरसा जिले के सभी सात खंडो में शांतिपूर्वक ढंग से सम्पन्न हुआ। जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य ललित कालडा ने बताया कि सिरसा जिले मे कुल 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए। इन परीक्षा केंद्रों में 2911 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिनमें 1432 लडक़ों तथा 1479 लड़कियों ने परीक्षा दी जोकि लगभग 82 प्रतिशत प्रतिशत रहा। सभी छात्र-छात्राओं में परीक्षा को लेकर काफी उत्साह देखा गया। सभी परीक्षार्थी अपने माता-पिता के साथ सुबह 10:00 बजे परीक्षा केंद्र पहुंचना शुरू हो गए थे लेकिन परीक्षा भवन के अंदर जाने की अनुमति 10:45 बजे दी गई।

गाड़ी गिरवी रखने के नाम पर एक लाख हड़पे

फतेहाबाद। थाना शहर टोहाना पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पवन कुमार पुत्र चरण सिंह निवासी गांव नांगली, हाल निवासी समैन, टोहाना के रूप में हुई है, जिसके कब्जे से 3 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि यह मामला अरुण कुमार पुत्र रामफल निवासी रविदास मोहल्ला, टोहाना की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने आपस में साजिश रचकर गाड़ी गिरवी रखने के नाम पर प्रार्थी से एक लाख रुपये की राशि हड़प ली थी।

अघोषित डंपिंग प्वाइंट बनाने से लोगों में रोष

- सीएम सैनी से कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

एक तरफ जहां केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे है वहीं दूसरी ओर टोहाना में नगर परिषद के सफाई कर्मचारी खुद शहर को गंदा करने में लगे हुए है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नगर परिषद कर्मचारी की इस हरकत से आमजन में रोष बना हुआ है जिसके चलते सीएम नायब सैनी से ऐसे करने वालो पर कार्यवाही की मांग की है। शहर के महाराजा अग्रसेन चौक पर रोजाना सुबह के समय कचरे का ढेर लगा दिए जाते है जिसके चलते इस पवित्र जगह को परिषद के कर्मचारी खुद अघोषित डंपिंग प्वाइंट बनाने में जुट गए है। यहां आमजन के साथ साथ नगर परिषद के कर्मचारी भी कचरा गिरा रहे है, जिससे परिषद के स्वच्छ भारत अभियान के दावों की पोल खुल रही है।

टोहाना। अग्रसैन चौक के पास कूड़ा डालते सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

अकाली दल जिला प्रधान की गाड़ी पर तीन युवकों ने बोला हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

शहर के भुना रोड निवासी शिरोमणि अकाली दल के जिला प्रधान मास्टर सुखविंदर सिंह की गाड़ी पर देर रात्रि स्विफ्ट गाड़ी सवार तीन युवकों ने हमला कर दिया और वह मौके से फरार हो गए। इसके बाद सूचना डायल 112, शहर पुलिस को दी गई, पुलिस की टीम थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह के नेतृत्व में मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है। जिला प्रधान के बेटे जगजीत ने बताया कि उसके पिता गांव अकावली से चंदड़ के रास्ते टोहाना आ रहे थे। जब वे गोविंदपुर से थोड़ा आगे बाईपास के बीच पहुंचे तो स्विफ्ट डिजायर कार से तीन लडक़े उतरे जिनके हाथ में दो रॉड और पिस्तौल थी। आरोपी ने उसके पिता की गाड़ी पर हमला करना शुरू कर दिया और धमकी देकर फरार हो गए।

गाड़ी पर हमले बारे जानकारी देते हुए।

सतत प्रयासों, नवाचार और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए मिला सम्मान

मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया : दैय्यड़ के सुनील बरड़वाल को मिले तीन बड़े राज्य स्तरीय सम्मान, इलाके में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भट्टूकलां

भट्टू क्षेत्र के गांव दैयड़ निवासी प्रगतिशील किसान सुनील कुमार बरड़वाल ने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर एक नई मिसाल कायम की है। उन्हें मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड 2025 के तहत तीन प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। इस बड़ी उपलब्धि से न केवल उनके गांव और परिवार में बल्कि पूरे इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई है। सुनील कुमार बरड़वाल को फार्मर ऑफ द ईयर 2025, फार्मर आइकॉन अंडर-40 अवार्ड और राज्य स्तर पर तीन प्रमुख कृषि सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उनके सतत प्रयासों, नवाचार और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए दिए गए हैं।यह सम्मान समारोह नई दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट के मेला ग्राउंड में आयोजित किया गया, जहां कृषि जागरण संस्थान की ओर से मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भट्टूकलां। दैय्यड़ के किसान सुनील बरड़वाल को सम्मानित करते हुए।

प्राकृतिक खेती और नवाचार की पहचान

सुनील कुमार बरड़वाल को मिला यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि प्राकृतिक खेती को नई दिशा देने वाले उनके प्रयासों का भी प्रमाण है। उनकी सोच, नवाचार और आधुनिक तकनीकों के उपयोग ने उन्हें प्रदेश के अग्रणी किसानों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद सुनील कुमार बरड़वाल ने कहा कि यह उपलब्धि उनके पूरे गांव और परिवार की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक अपनाकर खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाएं और कृषि क्षेत्र में आगे आकर देश की प्रगति में योगदान दें। सुनील बरड़वाल की इस उपलब्धि से फतेहाबाद जिले सहित पूरे प्रदेश के किसानों में उत्साह का माहौल है। वे आज न केवल अपने गांव देयड़ बल्कि पूरे हरियाणा के किसानों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

एक जनवरी से पहले निपटा लें ये चार जरूरी काम

- टैक्स और कानूनी झंझट से बचने के लिए भर दे आईटीआर
- करदाताओं के लिए अपने पैन को आधार से लिंक करना जरूरी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कानूनी झंझटों से मुक्ति चाहते हैं तो एक जनवरी से पहले कुछ जरूरी काम निपटा लें, वरना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं वे जरूरी काम जिन्हें इसी महीने में निपटाना बेहद जरूरी है। दिसंबर 2025 में करदाताओं के लिए चार जरूरी वित्तीय डेडलाइन, जिन्हें समय पर पूरा करना बचाएगा जुर्माने और कानूनी परेशानियों से। वित्त वर्ष 2025 अपने आखिरी चरण में है और करदाताओं के लिए दिसंबर कई अहम डेडलाइन लेकर आया है। अगर ये काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो आपको आर्थिक नुकसान और दस्तावेजों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बिलेटेड आईटीआर फाइलिंग का अंतिम मौका

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 का आईटीआर समय पर नहीं जमा कर पाए हैं, तो 31 दिसंबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ इसे फाइल किया जा सकता है। 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे अधिक आय पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 31 दिसंबर के बाद यह अवसर खत्म हो जाएगा। इसलिए इस पर ध्यान दें और अपनी आईटीआर जमा करवा दें।

पैन -आधार लिंकिंग

सभी करदाताओं के लिए अपने पैन को भी आधार से लिंक करना बेहद अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 ही है। अगर इस दौरान आप लिंकिंग नहीं करवा पाए तो आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। इससे आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और बैंक खाता या निवेश से जुड़े सभी काम प्रभावित हो सकते हैं। इसे इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जल्द पूरा करें। वरना आपको पछतान पड़ेगा और काम प्रभावित होंगे। इसलिए समय रहते अपने पैन को आधार के लिंक जरूर करवा लें।

एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त

जिन करदाताओं की अनुमानित कर देनदारी 10,000 रुपये से अधिक है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 तक चौथी और अंतिम एडवांस टैक्स किस्त जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न करने पर ब्याज और जुर्माना लग सकता है। अगर आप भी इस श्रेणी में आते हैं तो आपको भी यह काम समय रहते पूरा कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसलिए अपनी किस्त समय से जमा करवा दें और परेशानी से मुक्ति पा लें।

ऑडिटेड आईटीआर की फाइलिंग

टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2025 है। इसे समय पर जमा करना जरूरी है, ताकि रिटर्न लेट न माना जाए और कानूनी परेशानियों से बचा जा सके। इसलिए 31 दिसंबर की तारिख आप सभी के लिए काफी है। इससे पहले की अपने जरूरी काम पूरे कर लें और परिशानियों का बाय बाय कर दे। अगर समय रहते ये काम पूरे नहीं कर पाएंगे तो आपको कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है और आर्थिक रूप से जो नुकसान होगा वह अलग। समय रहते ये चार काम निपटा लेंगे तो जुर्माने से भी बच जाएंगे और आप खुद को तनाव मुक्त भी महसूस करेंगे।

अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल

निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी

सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश

चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।' अगले साल के परिदृश्य के बारे में कहा जा रहा है कि 'यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती हैं।

क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए। 'चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

पहली-पहली लगी है नौकरी तो निवेश को दें पहली प्राथमिकता

■ कई जगह निवेश कर बनाएं भविष्य सुरक्षित, युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड कर सकते हैं तैयार

अगर आपकी भी पहली नौकरी लगी है और सैलरी आ गई है तो ध्यान दें। पूरी सैलरी को महज मौज मस्ती के लिए खर्च न करें। इसमें से कुछ हिस्सा बचत करें यानी निवेश करें। इससे आपको भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। अपनी सैलरी का कुछ हिस्सा कई जगह निवेश करें। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन की तलाश करें और पैसा बचाएं। इससे आपको कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ निवेश के ऑप्शन के बारे में जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। यह मजबूती आपके परिवार और बच्चों के लिए बेहद अहम होगी। जिन लोगों की पहली नौकरी लगी है, उन लोगों को यहां जरूर निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए सुरक्षित ऑप्शन

पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को निवेश जरूर करना चाहिए। खासकर युवा लोगों को निवेश को जरूर प्राथमिकता देनी चाहिए और अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा बचाकर एक अच्छी स्कीम में जरूर निवेश करना चाहिए। अगर आप एक युवा हैं और आपकी पहली नौकरी लगी है और आप निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन चुने और रणनीति बनाकर निवेश करें। अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़ते जाएं। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर अपने भविष्य के लिए काफी अच्छा फंड बना सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

अगर आप एक युवा हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड एसआईपी को जरूर शामिल करना चाहिए। यहां आप हर महीने केवल 500 रुपये एसआईपी शुरू कर सकते हैं और इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं। लंबे समय में म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको काफी अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जो आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम भी काफी लोकप्रिय सरकारी स्कीम है, जहां निवेशक थोड़े थोड़े निवेश के साथ अच्छा फंड बना सकते हैं। पीपीएफ में आपको सालाना 15 सालों तक निवेश करना होगा। यहां आपको 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। यह भी निवेश का बेहतर विकल्प है। यह युवाओं के बीच काफी लोप्रिय है। इसलिए पीपीएफ में निवेश का विकल्प भी युवा चुन सकते हैं।

एफडी और आरडी

सुरक्षित निवेश के लिए आपको अपनी कुछ सेविंग्स को बैंक एफडी में भी जरूर निवेश करना चाहिएद्ध इसके अलाना रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं, और एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न पा सकते हैं। हालांकि इसमें रिटर्न बेहद कम मिलता है, लेकिन निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अपने निवेश के पोर्टफोलियो में गोल्ड को भी थोड़ी जगह दें और यहां पर भी अपने पैसों को जरूर निवेश करें। गोल्ड में निवेश करने के लिए आप डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना बना देगी आर्थिक रूप से कमजोर

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी भी बढ़ाती है परेशानी

छोटे-छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें, वरना बढ़ सकता है आर्थिक संकट

रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से पैसा कर देती हैं कम

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना आर्थिक संकट नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो अपने छोटे छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें। वरना ये आपकी बड़ी परेशानी बढ़ा सकते हैं। मसलन बाजार में ऑफर और सस्ती चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। जो आपके जरूरत की चीजें हैं सिर्फ उन्हें ही खरीदें और मस्ती से जीवन व्यतीत करें। कई बार देखने में आता है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से आपका पैसा कम कर देती हैं। रोजाना के खर्च, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी, बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना आपके भविष्य को कमजोर कर सकते हैं। जागरूकता और सही कदम आपकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि पैसों की समस्या बड़ी गलती, अचानक खर्च, नौकरी छूटना या गलत निवेश की वजह से होती है, लेकिन सच यह है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें आपके पैसे को धीरे-धीरे कम कर देती हैं। ये आदतें छोटी लगती हैं, कभी-कभी अनजाने में होती हैं और समय के साथ बचत को कमजोर कर देती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ आदतें जो आपको नुकसान पहुंचा सकती हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है। इनको सुधारकर आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार सकते हैं और अनावश्यक खर्चे से भी बच सकते हैं।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज करना

छोटे-छोटे खर्च, जैसे हर दिन की कॉफी, नाश्ता या मोबाइल ऐप सब्सक्रिप्शन, अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन अगर इन्हें जोड़ा जाए तो यह महीने के अंत में एक बड़ी रकम बन जाती है। इसलिए अपने खर्चों को एक हफ्ते तक नोट करें और देखें कि आपका पैसा कहां जा रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको अपनी पसंदीदा चीजें छोड़नी हैं, बल्कि आप जागरूक होकर सोच-समझकर खर्च करें। इसके बाद जब आप माह के अंत में देखेंगे तो आपको बड़ी राहत मिलेगी।

बचत बाद में करना

कई लोग सोचते हैं कि महीने के आखिर में बचत करेंगे, जो बचेगा वही बचत होगा। अक्सर आखिरी में कुछ भी नहीं बचता। सही तरीका यह है कि पहले बचत करें और फिर खर्च करें। अपने अकाउंट से वेतन मिलने के तुरंत बाद ही बचत या इन्वेस्टमेंट अकाउंट में कुछ पैसा डाल दें। यदि आप अपनी इनकम का 10%-15% नियमित रूप से बचाते हैं, तो समय के साथ यह एक बड़ा फंड बन जाएगा। जितनी जल्दी आप शुरू करेंगे, उतना ही आसान आपका भविष्य होगा। इसलिए शुरुआत से ही बचत पर ध्यान दें।

बीमा व आपातकालीन योजना

कई लोग सोचते हैं कि जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा लेना बाद में भी किया जा सकता है, लेकिन एक छोटा अस्पताल का बिल या अचानक हादसा आपकी सारी बचत मिटा सकता है। जीवन बीमा आपके परिवार की सुरक्षा करता है और स्वास्थ्य बीमा अस्पताल के खर्चों से बचाता है। यह छोटे-छोटे मंथली प्रीमियम आपके भविष्य की सुरक्षा में बहुत मदद करते हैं।

अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा जरूर करें

पैसे की आदतों को केवल सही तरीके से खर्च और बचत करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि इन्हें समय-समय पर देखना भी जरूरी है। हर महीने कुछ घंटे अपने बैंक स्टेटमेंट, बीमा और निवेश की समीक्षा में बिताएं। इससे आप फालतू खर्च पकड़ पाएंगे, अपने लक्ष्यों को सही दिशा में रख पाएंगे और अपने वित्तीय भविष्य पर भरोसा कर पाएंगे। आपके रोजमर्रा के फैसले आपके पैसे और भविष्य को प्रभावित करते हैं। कुछ छोटी-छोटी गलत आदतें धीरे-धीरे आपकी जेब खाली कर देती हैं, जबकि सही आदतें आपके भविष्य को मजबूत और सुरक्षित बनाती हैं। इससे आपको पैसे संबंधी परकशानी होगी और आपका निवेश भी बढ़ता जाएगा। इसलिए निवेश पर जरूर फोकस करें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना आसान होता है, इसलिए हम छोटे खर्च भी कार्ड से कर लेते हैं। इससे खर्च का एहसास कम होता है। सही तरीका यह है कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल केवल जरूरी और योजना बनाकर करें और हर महीने पूरा बिल चुका दें। इससे आप बिना कर्ज के शांति महसूस करेंगे और फालतू ब्याज नहीं चुकाएंगे। अगर क्रेडिट कार्ड के बिन का समय पर भुगतान नहीं कर पाएं तो भारी भरकम ब्याज आपके बजट को बिगाड़ सकता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड के खर्च पर ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।

यह रखें ध्यान

किसी पर परिस्थिति में दूसरे की चीजों देखकर रीस न करें। अपना बजट बनाकर चलेंगे तो हमेशा खुश और आर्थिक रूप से मजबूत रहेंगे। बाजार में जाएं तो ऑफर्स को देखकर चीजें न खरीदें अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदे। इससे आप गैरजरूरी खर्चों से मुक्ति पा लेंगे और आपकी बचत भी बढ़िया होगी।

सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई, 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के ज़रिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार भी करता है

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज़्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के ज़रिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के ज़रिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी जरूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।
- खरीदें : स्टॉक की तरह अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सिल्वर ईटीएफ के यूनिट्स खरीदें।

खबर संक्षेप

वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को नोलेज ग्रोथ फाउडेशन लखनऊ के तत्वावधान में रिसर्च कमेटी द्वारा वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम के तहत नेशनल वेबिनार हुआ। कॉलेज प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन करवाने का मुख्य उद्देश्य सभी को बजट, बचत, निवेश, ऋण प्रबंधन, डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूक करना है।

6017 मरीजों के आंखों की हुई जांच

सिरसा। डेरा सच्चा सौदा में चार दिवसीय नेत्र जांच कैंप के दूसरे दिन तक 6017 मरीजों की जांच हुई जबकि 121 मरीजों को ऑप्रेशन के लिए चयनित किया। इसके अलावा 600 मरीजों को चश्में व 1400 मरीजों को निःशुल्क दवाईयां दी गई। 35 चयनित मरीजों के नेत्रों के ऑप्रेशन\ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका गर्ग इंसां, डॉ. गीतिका इंसां, डॉ. ललित व डॉ. अवनीश ने किए। ऑपरेशन के लिए अस्पताल में दो आधुनिक ऑपरेशन थिएटर बनाए गए हैं, जिन पर चार टेबल पर 4 नेत्र रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ऑपरेशन किए।

भट्टूकलां, बीघड़ व तामसपुरा में नुक्कड़ सभाएं और सेमिनार आयोजित

नशे के खिलाफ जागरूकता तेज 8 ड्रग पीड़ितों की हुई काउंसलिंग

- नशा स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों पर डालता दुष्प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान जारी है। इसी क्रम में एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम के सहयोग से गांव भट्टूकलां, बीघड़ व तामसपुरा में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान गांव भट्टू कलां में रेलवे स्टेशन एवं झुग्गी-झोंपड़ी क्षेत्रों में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन कर आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी गंभीर नुकसान पहुंचाता है। इसके साथ-साथ नशे से बाहर निकलने के लिए उपलब्ध कानूनी, सामाजिक व चिकित्सकीय सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भट्टूकलां एवं मदर टेरेसा स्कूल में विशेष सेमिनार आयोजित कर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, सही संगत अपनाने और अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर ध्यान देने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने भी नशा विरोधी संदेश को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। अभियान के दौरान उपचाराधीन स्थानीय ड्रग पीड़ितों से फीडबैक भी लिया गया। जांच में सामने आया कि 4 पीड़ित पूर्व में टीके के माध्यम से नशा लेते थे, जिनमें से 3 पीड़ितों ने उल्लेखनीय सुधार करते हुए टीका लगाना पूर्ण रूप से छोड़ दिया है। एक नव-चिन्हित पीड़ित सहित सभी को काउंसलिंग के उपरांत आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध कराई गई। गांव बीघड़ में 4 तथा तामसपुरा में 3 ड्रग पीड़ितों को चिन्हित कर कुल 8 पीड़ितों की काउंसलिंग की गई और उन्हें भी आयुर्वेदिक दवा प्रदान की गई।

फतेहाबाद। नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करती नशामुक्ति टीम।

नशे के खिलाफ नुक्कड़ नाटक का आयोजन

सिरसा। नशा मुक्त हरियाणा अभियान के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला में नशा विरोधी जागरूकता एवं रोकथाम अभियान चलाया जा रहा है, यह अभियान 06 जनवरी तक चलाया जाएगा। इसी क्रम में स्वीकार न्याय एवं सम्मान योजना के तहत शनिवार को पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बड़ागुढा में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नुक्कड नाटक का मंचन कोरियोग्राफर कुलदीप कुमार, गोरा राम, राहुल एवं दीपक की टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य ईश्वर सिंह डूडी, अंग्रेजी व्याख्याता प्रेम कुमार राजपूत सहित विद्यालय का अन्य स्टाफ भी उपस्थित रहा। अभियान का उद्देश्य आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को नशामुक्ति की ओर प्रेरित करना है।

सिरसा। नाटक का मंचन करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

युवाओं को नशे से दूर करने के लिए संजीवनी है खेल: सिंगला

सिरसा। जिला के गांव नेजिया खेड़ा में यूथ क्लब द्वारा कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में हारे का सहारा ट्रस्ट के प्रधान मनीष सिंगला पहुंचे। मनीष सिंगला ने मंच से खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्हें खेल की भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल सिर्फ जीत-हार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम वर्क और शारीरिक व मानसिक मजबूती का प्रतीक है। मनीष सिंगला ने कहा कि वर्ष 2026 के लिए दो बड़े संकल्प कार्यक्रम के दौरान, यूथ क्लब ने वर्ष 2026 के लिए दो महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किए, जिनकी घोषणा भी की गई। पहला तो ये बड़े स्तर पर खेल आयोजनों का विस्तार जिसमें सभी गांवों से खिलाड़ी हिस्सा बनेंगे। दूसरा यह कि श्याम बाबा की भजन संध्या करवाई जाएंगी। इस मौके लक्ष्य सिंगला, हरपिंद्र शर्मा, योगेश बिजारनिया, इंद्रपाल जांगड़ा , जेपी गुप्ता, जैन प्रकाश, राम सिंह कलेरा, सुनील मेहला, मनोज बुडानिया, कृष्ण साईं, गणेश, विनोद कलेरा, कृष्ण दून, पिंटू बुडानिया, मोहित बुडानिया, चौधरी देवीलाल चोयल, मैनपाल, नरेंद्र बुडानिया, राम कुमार, देवीलाल बुडानिया, नरेश बुडानिया, विकास राव आदि मौजूद थे।

सब मिलकर तोड़ें नशे का चक्रव्यूह: झोरड़

सिरसा। झोरड़ खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद झोरड़ ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम की सफलता के लिए यह जरूरी है कि सभी मिलकर नशे के चक्रव्यूह को तोड़ें। झोरड़ ने जारी बयान में सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण की प्रशंसा करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर युवा पीढ़ी को बचाना होगा। नशा केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देता है। ऐसे में हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि युवा पीढ़ी को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करें। जिन युवाओं को नशे की लत लग गई है, उनसे दूरी बनाने की बजाए उन्हें नशा छोडने के लिए सहयोग दें। इसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी समाज व माता-पिता की है। खाप नेता ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि माता-पिता अपने बच्चों को समय दें और उनकी बात सुनें ताकि वे रास्ता न भटकें। उन्होंने कहा कि हम खाप के माध्यम से भी लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करेंगे। झोरड़ ने कहा कि ड्रग कंट्रोल महकमे को भी इस अभियान में अपना पूरा सहयोग देना चाहिए और जिले में दवाओं की आड़ में नशे के कारोबार पर पूर्ण अंकुश लगाना चाहिए।

श्री धेनु मानस गोकथा के चौथे दिन उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

भूना। श्री कृष्ण गोशाला सेवा समिति नाढोड़ी में आयोजित श्री धेनु मानस गोकथा के चौथे दिन उपस्थित महिला श्रद्धालु व गोकथा सुनाती डॉक्टर मधु बिश्नोई।

श्री कृष्ण गोशाला सेवा समिति नाढोड़ी के तत्वावधान में आयोजित श्री धेनु मानस गोकथा के चौथे दिन शनिवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही कथा स्थल पर भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना रहा। जैसे ही कथावाचक डॉ. मधु बिश्नोई व्यास पीठ पर विराजमान हुईं, श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया।

कथा के दौरान डॉ. मधु बिश्नोई ने गोमाता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गाय में 36 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना गया है। गाय के दूध, घी, गोबर और गोमूत्र से अनेक बीमारियों का नाश होता है, इसी कारण गाय को माता का दर्जा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि गाय के दूध को अमृत इसलिए कहा जाता है क्योंकि गाय के गले में एक विशेष थालीनुमा नली होती है, जिसमें विषैले तत्व और कीटनाशक जमा हो जाते हैं, जिससे दूध शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक बनता है। डॉ. बिश्नोई ने कहा कि गौ दुग्ध के सेवन से मानव शरीर की कई बीमारियां दूर होती हैं। उन्होंने गो वध को घोर पाप बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन से गाय की माता की तरह सेवा करता है, उसके घर में कभी दुख और कष्ट नहीं आते। गौ सेवा से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमते नजर आए और गौ माता के जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा।

ये रहे उपस्थित

समिति के प्रधान फकीरचंद गोदारा, नंबरदार महादेव धारनिया, पूर्व सरपंच रविंद्र कुमार धारनिया, गौशाला के पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह भांभू, राम सिंह गोदारा, केसरा राम भांभू, जसकरण गोदारा, दलीप कुमार धारनिया, जगदीश डेलू, काशीराम डारा, रामनिवास भांभू, हनुमान सिंह, सुभाष भांभू,पृथ्वी सिंह, भूप सिंह, कृष्ण कुमार, गुरदयाल सिंह डेलू सहित बड़ी संख्या में समिति सदस्य और ग्रामीण उपस्थित रहे।

पिता की स्मृति में शिवपुरी को भेंट किया मोक्ष वाहन

सिरसा। केलनियां नंदीशाला के प्रधान पवन बांसल ने अपने पिता स्व. रामजीदास की पुण्य स्मृति में शिवपुरी में मोक्ष वाहन दान स्वरूप भेंट किया। उन्होंने परिवारजनों के साथ मोक्ष वाहन की चाबी शिवपुरी के सचिव दीन दयाल कंदोई को सौंपी। इस मौके पर पवन बांसल ने कहा कि जो इस संसार में आया है, उसे जाना भी पड़ेगा। जिस प्रकार से शहर की आबादी बढ़ रही थी, उसे देखते हुए शिवपुरी में मोक्ष वाहन की आवश्यकता थी। लोगों को वाहन के लिए इंतजार न करना पड़े, इसी बात को मद्देनजर रखते हुए परिवारजनों से विचार-विमर्श के बाद शिवपुरी में मोक्ष वाहन भेंट करने का निर्णय लिया गया। इससे पूर्व भी उन्होंने अपने पिता की स्मृति में शिवपुरी में एक बरामदे का निर्माण करवाया था।

जिला स्तरीय गो संरक्षण पर हुई गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

भारत विकास परिषद माधव शाखा के तत्वावधान में जिला स्तरीय गौसंरक्षण गोष्ठी का आयोजन किया गया। सचिव सतपाल जोत ने बताया कि इस गोष्ठी में जिला सिरसा की 100 से अधिक गौशालाओं से 294 गौशाला प्रतिनिधि, वेटरनरी सर्जन एवं वीएलडीए सम्मिलित हुए। गोष्ठी के मुख्यातिथि अध्यक्ष हरियाणा गौसेवा आयोग श्रवण कुमार गर्ग ने जिला को सड़कों पर विचरण कर रहे बेसहारा गोवंश से मुक्त कराने का आह्वान किया, जिसका नगर की ही नहीं, अपितु ग्रामीण क्षेत्र की गोशालाओं व नंदीशालाओं ने भी गर्मजोशी से स्वागत करते हुए प्रशासन द्वारा पकड़े गए शत प्रतिशत बेसहारा गौवंश की गौशालाओं में सेवा संभाल का आश्वासन दिया। उन्होंने भाविप शाखा के कार्यों की सरहाना की। वाइस चेयरमैन पूर्ण यादव ने गौशालाओं की व्यवस्थाओं के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही नीतियों की विस्तृत जानकारी सांझा की। गोशाला प्रतिनिधियों द्वारा संचालन में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों के बारे में चर्चा की गई, जिनका यथोचित निवारण किया गया या शीघ्र उचित निवारण का आश्वासन दिया गया।

सिरसा। गौशाला प्रतिनिधि हरियाणा गौसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग के साथ।

इन्होंने दिया योगदान

इस कार्यक्रम के आयोजन में एसपी ग्रोवर, युधिष्ठिर गुप्ता, सतीश मित्तल, दीपक गोयल, हर्ष मरोदिया, रवि अरोड़ा, नीलकमल सिंगला, जोनी पाल, अमित खुराना ने अहम योगदान दिया।

वन कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

वन कर्मचारी संघ सिरसा के जिला सम्मेलन सिरसा वन मंडल परिसर में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में विशेष रूप से राज्य वन कर्मचारी संघ की ईकाई से प्रविन्द्र गुलिया राज्य प्रधान, विकान्त दांगी महासचिव, सचिन मलिक कोषाध्यक्ष व राज कुमार सचिव उपस्थित रहे। प्रविंद्र प्रधान राज्य वन कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा सिरसा के कर्मचारियों को एक जुट होने व अपने निजी स्वार्थों को त्याग कर कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेषरूप से आह्वान किया। क्योंकि आज के इस समय में जो कर्मचारियों के साथ अनदेखी व उनके हितों का जो शोषण हो रहा है, को देखते हुए हर जिले में वन कर्मचारी संघ की ईकाई का होना अत्यन्त आवश्यक है। इस प्रथा को आगे बढ़ाते हुये सिरसा जिले में शनिवार को नई वन कर्मचारी संघ की ईकाई का गठन किया गया।

ये बने पदाधिकारी

गुरप्यार सिंह प्रधान, सुरेंद्र कुमार गोयल उपप्रधान, कृष्ण लाल खुंडिया सचिव, कृष्ण कुमार सह-सचिव, संजय गोदारा सह-सचिव, रमेश कुमार आंमत्रित सदस्य, बलविन्द्र सिंवर, ऑडिटर, नवीन कुमार आंमत्रित सदस्य, विनोद टुटेजा सलाहकार, आत्म प्रकाश आंमत्रित सदस्य, संदीप सिहाग प्रैस सचिव व सुनील कुमार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में मौजूद सभी कर्मचारियों द्वारा इस नई ईकाई का निर्विरोध व सर्वसम्मति से चुनाव किया गया और प्रविन्द्र गुलिया, राज्य प्रधान द्वारा शपथ ग्रहण करवाई गई कि सभी नव निर्वाचित सदस्य पूरी ईमानदारी व निष्ठा से ईकाई का कार्य करेंगे व कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिये सदैव तैयार रहेंगे।

सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी एसोसिएशन ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

- डेंटल, स्किन इलाज व पैनल अस्पताल की सुविधा की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी एसोसिएशन उत्तर पश्चिम रेलवे सिरसा शाखा ने मंडल रेल प्रबंधक बीकानेर के नाम चिकित्सा संबंधी सुझाव व शिकायतों को लेकर एक ज्ञापन सहायक मंडल अभियंता हरीश चंद्र शर्मा को सौंपा। शाखाध्यक्ष सुरेश चंद्र गौड़ ने बताया कि रेलवे हैल्थ यूनिट सिरसा में जो चिकित्सक नियुक्त किया गया है उससे रेल सेवानिवृत्त व आश्रित परिवारों को बहुत असुविधा है। उन्होंने बताया कि रेलवे पैनल अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाईयां इतनी अधिक होती हैं कि मरीजों को लेने में परेशानी होती है।

सिरसा। सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी एसोसिएशन मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेत हुए।

उन्होंने बताया कि हैल्थ यूनिट में यूपीएस, नेट खराब रहता है, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि अक्सर कांऊटर पर फार्मासिस्ट द्वारा स्वयं दवाईयां नहीं दी जाती है, जिससे गलत डोज लेने पर स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। उन्होंने मांग की कि सिरसा में हेल्थ यूनिट में डेंटल व स्किन का इलाज शुरू करवाया जाए या किसी पैनल अस्पताल में ईलाज स्वीकृत करें या समय-समय पर हैल्थ यूनिट में रेलवे कैंप लगवाए। उन्होंने बताया कि बीकानेर डिविजन के रेल सेवानिवृत्त कर्मचारियों कार्यरत कर्मचारियों व उनके आश्रितों को बठिंडा में डीएमओ/बीटीआई पैनल अस्पतालों में कोई उपचार नहीं देता, उन्हें बीकानेर, फिरोजपुर, जयपुर जाने या दिल्ली रैफर करते हैं, जबकि एनआर के कर्मचारियों, रिटायर्ड कर्मचारियों के आश्रितों परिवारों का बठिंडा में ही उपचार करवाया जाता है। इसलिए बीकेएम डिवेजन एनडब्ल्यूआर को भी पैनल अस्पताल बठिंडा में उपचार दिलवाया जाए। उन्होंने रेलवे प्रबंधन से अनुरोध किया कि प्रतिक्षा कक्ष में चैयर लगवाई जाए, डिजीटेक मशीन डिजीटल डिस्प्ले लगवाया जाए तथा मरीजों को हो रही समस्याओं का तुरंत समाधान करवाया जाए।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर सचिव लक्ष्मीनारायण खर्रा, सुरेश बाबू, रमेश चंद्र, उदयराम, कश्मीर सिंह, परसराम, चंदूलाल डाबला, महेश चंद्र, राजेंद्र सिंह, ओमप्रकाश, श्रीनिवास, साधुराम, सुरेंद्र सिंह, आनंद स्वरूप रेहिल्ला, राजकुमार, किशन, जसवंत, अशोक कुमार, अर्जुन, लीलूराम, सुभाष चंद्र, रमेश मिस्त्री, बहादुर सिंह आदि मौजूद थे।

जीवन में परिवर्तन लाने का माध्यम बनेगा संस्थान: बीके सुभाष

ओढां। ब्रह्माकुमारीज संस्थान सद्भावना भवन ने गांव ओढ़ा में ओम शांति भवन बनाने के लिए एक स्थान लिया है जिसका शनिवार को शिव ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर बीके प्रीती, बीके सुभाष और ओढ़ा के थाना प्रभारी आनंद बैनीवाल मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत राजयोग मेडिटेशन के साथ हुई। जिसमें बीके प्रीती ने कहा कि यह पवित्र स्थल लोगों को सुख शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करेगा। यह भवन आध्यात्मिक उन्नति, चरित्र निर्माण तथा राजयोग साधना का प्रमुख केंद्र बनेगा। बीके सुभाष ने कहा कि ओम शांति के रास्ते पर चलते हुए घर बनाना मतलब ईंट पत्थर जोडना नही, बल्कि ऐसी जगह बनाना है जहां मन को शांति, संतोष और आनंद मिल सके। यह स्थान अनेक आत्माओं के जीवन में परिवर्तन लाने का माध्यम बनेगा और सबके सहयोग से यह भवन जल्दी ही बनकर तैयार हो जाएगा। थाना प्रभारी आनंद बेनीवाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान का कार्य और सेवाएं बहुत सराहनीय हैं। यह संस्थान विश्व परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसके पश्चात सभी ने मिलकर आंगन में परमात्मा पिता शिव का ध्वज फहराया और सभी को प्रसाद वितरित किया। अंत में बीके मनोज ने सभी अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में पूनम, अनूप, बीरबल, बिमला, कमला, रेशम, निर्मला देवी, रामजी लाल नंबरदार, रामपाल सिंगला, मास्टर राम सिंह मल्हान, जसपाल सिंह सहित काफी संख्या में गणमान्य मौजूद थे।

दित्या ने मिनी नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

सिरसा। पदक विजेता दित्या अरोड़ा को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

गुजरात बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा बड़ोदरा में बीती 8 से 11 दिसंबर तक आयोजित चौथी मिनी नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2025 में सिरसा की युवा बैडमिंटन स्टार दित्या अरोड़ा ने अंडर-11 आयु वर्ग में एक बार फिर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनलिस्ट बनकर कांस्य पदक जीतकर न केवल जिले, बल्कि प्रदेश को भी गौरवांवित किया है।

सीनियर कोच दीपेश ठक्कर ने बताया कि दित्या अरोड़ा ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किए गए प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक का सफर किया, जोकि अपने आप में बहुत बड़ी बात है। नेशनल में अंडर-11 में कांस्य पदक जीतने वाली दित्या अरोड़ा पहली खिलाड़ी हैं। उन्होंने बताया कि जिला बैडमिंटन सचिव पंकज खेमका ने दित्या अरोड़ा को ओएचएम में बुलाकर सम्मानित करते हुए हौंसलाफजाई की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। दित्या अरोड़ा ने इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय सीनियर कोच दीपेश ठक्कर, ऋषि शर्मा, अपने अभिभावकों व सिरसा क्लब के सचिव राजेश गोयल को दिया, जिन्होंने लगातार उसे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

धर्म-कर्म डेरा बाबा सतराम भारा में वार्षिक बाबे दा मेला के उपलक्ष्य में संकीर्तन आयोजित

मनुष्य कमाता तो अपनी मेहनत से है, पर दान परमात्मा की कृपा से करता है : उमानंद

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मनुष्य ने जो पैसा कमाया वो उसकी मेहनत है और जो दान करना सीख लिया वो परमात्मा की कृपा है। अगर कृपा ना हो तो जेब से निकला हुआ पैसा भी जेब में वापिस चला जाता है। यह बात फारुखनगर के डॉ. स्वामी उमानंद महाराज ने कही। वो भीमां बस्ती पानी वाली टंकी के पास स्थित डेरा बाबा सतराम भारा में आयोजित वार्षिक बाबे दा मेला के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय संकीर्तन और सत्संग समारोह के पहले दिन प्रवचन कर रहे थे।

इससे पूर्व माजरा स्थित किशन वस्त्र भंडार के किशन नारंग ने बतौर मुख्य अतिथि पूजा अर्चना कर विधिवत ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री संन्यास आश्रम मंदिर के प्रधान और शिवपुरी सभा के कोषाध्यक्ष राकेश नागपाल बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

पंडित कुशल बिहारी ने पूजा अर्चना करवाई। इसके बाद मुकेश राही, परविन्द्र पलक, सुनील मदान, चीनू गोस्वामी, ने भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान किया। उनके द्वारा गुरुवर तेरे चरणों की गर धूल जो मिल जाए, शतरंज बना जग को क्या खेल रचाया है, मोहरों की तरह हमको क्या खूब नयाया है, बाबा तेरे दर्शन को तेरा दास तरसता है, अगर दिल लगाया होता सांवरे सरकार से तो खुलवाना ना पडता डाक्टरों के औजार से, भटके क्यूं दर बदर कर भरोसा श्याम पर, तुम्हारे प्यार का प्यासा ये दिल हमारा है, मेरे हजूर मुझे बेहिसाब प्यार कर आदि भजन प्रस्तुत किए गए।

फतेहाबाद। कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करती भजन गायिका। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सरंक्षक अमर लाल मदान, प्रधान घनश्याम मदान, सचिव सुभाष गांधी, कोषाध्यक्ष अनिल मदान, नरेश मदान, राजेंद्र आहूजा, लेखराज नारंग, शंकर नारंग, साहिब दयाल वधवा, सुभाष मेंहदीरत्ता, विनोद मदान एडवोकेट, शामलाल रुखाया, गुलशन मदान, बंटी निझारा, नंदकिशोर सेठी, राघव मदान सहित अनेक सेवादार उपस्थित थे।

डेरा प्रबंधन कमेटी द्वारा आए हुए अतिथियों और भजन प्रवाहकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डेरा के गद्दीनशीन बाबा दीनदयाल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में मंच संचालन राजकुमार मदान ने किया।

खबर संक्षेप

शनिधाम में भंडारा व तेल स्नान 20 को

सिरसा। श्री शनिदेव मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नोहरिया बाजार स्थित प्राचीन श्री शनिधाम में पौष मास की अमावस्या एवं नववर्ष 2026 के आगमन के उपलक्ष्य में भंडारा एवं शनि तेल स्नान कार्यक्रम आगामी 20 दिसंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट पदाधिकारी चंद्रमोहन भृगुवंशी व आनंद भार्गव ने संयुक्त रूप से बताया कि शनिवार प्रातः 7.15 बजे तक अमावस्या है और शनिश्चरी अमावस्या का शनि जी की पूजा में विशेष महत्व है।

महारैली में उमड़ेगा जन सैलाबः शर्मा

सिरसा। प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की ओर से आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में होने जा रही वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली भाजपा सरकार के लिए फतवा साबित होगी। शर्मा ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि देश के कोने-कोने से लाखों की संख्या में लोग भाजपा शासन के खिलाफ एकजुट होंगे और अपने आक्रोश का इजहार करेंगे। राहुल गांधी के नेतृत्व में होने जा रही इस महारैली को लेकर सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि आमजन भी बेहद उत्साहित है।

खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 15 से

फतेहाबाद। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत द्वारा गांव नागपुर के खेल स्टेडियम में 15 व 16 दिसंबर को खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा। मेरा युवा भारत की जिला युवा अधिकारी पूनम कुमारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में खंड फतेहाबाद और नागपुर के युवक व युवतियां भाग ले सकते हैं जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष की हैं।

सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति किया जागरूक

रतिया। खालसा त्रिशताब्दी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रतिया में विद्यार्थियों को सडक़ दुर्घटनाओं के कारण बढ़ती मृत्यु दरों को लेकर ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुमित्रा सांगवान ने की। महाविद्यालय के प्रो. सुरेंद्र सभरवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि वाहनों को चलाते समय हमें सडक़ सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए।

विद्यार्थियों को जर्सी व सामान वितरित किया

फतेहाबाद। गांव अहलीसदर स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय में जरूरतमंद छात्र-छात्रओं को गर्म जर्सी, जूते, जुराबें एवं गर्म टोपी वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के मुख्य शिक्षक महेन्द्र डीगवाल ने की जबकि कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय स्टाफ द्वारा मुख्य अतिथि माया देवी, उनके पुत्र संदीप कुमार, एनआरआई, अहलीसदर सरपंच प्रशोतम कुमार एवं पंजाबी अध्यापक गुरदयाल सिंह का स्वागत किया। गया। इस मौके पर शिक्षक मौजूद रहे।

न्यायाधीशों ने कहा कि नेशनल लोक अदालत में सहज एवं सरल न्याय का सिद्धांत

राष्ट्रीय लोक अदालत में 25 हजार मामलों में से 19 हजार का आपसी सहमति से निपटारा

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव मौजूद रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। नेशनल लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश। फोटो : हरिभूमि

सिरसा। राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों का निपटारा करते न्यायाधीश। फोटो : हरिभूमि

लोक अदालतों के माध्यम से पक्षकारों को सुलभ व शीघ्र न्याय प्राप्त होता है, साथ ही अदालत में मामलों का निपटारा होने से धन व समय की भी बचत होती है। यह बात अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवेंदु जैन ने शनिवार को जिला स्तर पर स्थानीय न्यायिक परिसर में आयोजित इस वर्ष की चौथी नेशनल लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए उपस्थित नागरिकों व अधिवक्ताओं से कही। इस मौके पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री भी मौजूद रही।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से शनिवार को जिला मुख्यालय फतेहाबाद व उपमंडल टोहाना व रतिया की न्यायिक परिसरों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायाधीशों ने कहा कि नेशनल लोक अदालत में सहज एवं सरल न्याय का सिद्धांत है। लोक अदालत में ना कोई जीतता है और ना कोई हारता है। उन्होंने कहा कि नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति और समझौते से मामलों का निपटारा कर नागरिकों को राहत दी गई है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत एवं मध्यस्थता ऐसे माध्यम है, जिनसे आपसी विवादों का निराकरण जड़ से होता है। राजीनामे से दोनों पक्षों के बीच में विवादों का निराकरण होने से मामलो में आगे की मुकदमेबाजी को रोकता है। इससे दोनों पक्षों के धन व समय की बचत होती है।

रतिया व टोहाना में भी आयोजन

शनिवार को जिला मुख्यालय फतेहाबाद, उपमंडल रतिया व टोहाना के न्यायिक परिसरों में आयोजित करवाई गई नेशनल लोक अदालत में न्यायाधीशों ने मामलों की सुनवाई करते हुए 25327 मामलों में से 19168 का निपटारा किया गया। इसके अलावा 10 लाख 11 हजार 300 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। प्री-लिटिगेशन के 20032 मामलों में से 16604 का निपटान किया गया। लंबित केसों में 5295 मामलों में से 2564 का निपटारा किया गया।

इन न्यायाधीशों की कोर्ट में लगी अदालत

नेशनल लोक अदालत में जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवेंदु जैन, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कम सीजेएम सुयशा जावा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कम न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगिंद्र जांगड़ा, उपमंडल रतिया उपमंडल में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कम जेएमआईसी कुमारी ज्योति व उपमंडल टोहाना में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कम जेएमआईसी मुकेश कुमार की कोर्ट में लोक अदालत आयोजित की गई।

इन मामलों की हुई सुनवाई

इस वर्ष की चौथी नेशनल लोक अदालत में एनआई एक्ट मामले (धारा 138), धन वसूली मामले, आपराधिक मिश्रित मामले, एमएसीटी मामले, श्रम एवं रोजगार संबंधी विवाद, बिजली, पानी और अन्य बिल, वैवाहिक विवाद, रख-रखाव के मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले, सेवाएं संबंधी मामले, राजस्व मामले सहित अन्य सिविल और आपराधिक मामलों की सुनवाई की गई। दौरान सीजेएम गायत्री ने कहा कि व्यक्ति अपने मुकदमें के लोक अदालत में समाधान के लिए लाना चाहिए।

छह बैंचों का गठन किया

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शनिवार को न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि इस लोक अदालत में सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे, जिनमें मुख्यतः चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद इत्यादि शामिल थे। लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन कुल 32699 केसों में से 30800 केसों का निपटारा किया गया, जिनमें 78148413 रूपये की राशि समायोजित की गई। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कुल 6 बैंचों का गठन किया गया जिसमें सिरसा में अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन किनरा, सिविल जज एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी गगनदीप गोयल, सिविल जज एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रिचू डबवाली में अतिरिक्त सिविल जज एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी हरलीनपाल सिंह व ऐलनाबाद में अतिरिक्त सिविल जज एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी आशिष आर्य द्वारा लोक अदालत लगाई गई।

किसान की जमीन नीलामी का विरोध तेज

■ किसान की जमीन नीलामी के विरोध की लड़ाई लड़ी जाएगी : किसान सभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद।

फतेहाबाद। ढाणी बिंजा लांबा में जमीन की कुर्की के खिलाफ एकजुट किसान।

ढाणी बिंजा लाम्बा के किसान की जमीन की नीलामी के विरोध में किसान सभा फतेहाबाद तहसील कमेटी की टीम आज गांव में पहुंची और किसानों के साथ एक मीटिंग की।

किसान सभा के नेता मनफूल ढाका ने बताया कि प्रभावित किसानों से बातचीत करके किसान सभा तहसील कमेटी फतेहाबाद ने फैसला किया है कि इस बारे में 15 दिसंबर को सुबह 10 बजे प्रशासनिक अधिकारियों से इस बाबत मिलकर बातचीत की जाएगी और किसी भी कीमत पर किसानों की जमीन की नीलामी नहीं होने दी जाएगी। अगर प्रशासन से बातचीत का कोई सकारात्मक हल नहीं निकलता है तो इस जमीन की कुर्की के खिलाफ किसानों के लामबंदी करते हुए धरना लगाया जाएगा और जमीन कुर्की हर कीमत पर रोकी जाएगी।

ये है मामला

प्रभावित किसान पवन ने बताया कि वर्ष 2008-2009 में उनके पिता की आढ़त फतेहाबाद अनाज मंडी में एक आढती के साथ थी। उसके बाद कुछ समय बाद अपने एक रिश्तेदार की आढत उसी दुकान पर करवा दी। उस समय तक होशियार सिंह का एक भी रुपया बकाया नहीं था बल्कि 19 हजार रुपये किसान के ही जमा थे। इसके बाद उसके रिश्तेदार से दुकानदार का लेनदेन शुरू हुआ और उसके 1 लाख 35 हजार होशियार सिंह के खाते में डालकर चुकता करने की बात कही गई। उसके बाद 2012-13 में यह मामला कोर्ट में गया और अब किसान की जमीन की नीलामी का फैसला आया है और 15 दिसंबर को जमीन कुर्क करने का फरमान है।

राज्य प्रतिनिधि सम्मेलन को लेकर सर्व कर्मचारी ने बैठक कर बनाई रणनीति

■ मीटिंग जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण जाखड़ की अध्यक्षता में हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। तैयारियों को लेकर चर्चा करते सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला फतेहाबाद की मीटिंग जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण जाखड़ की अध्यक्षता में पटवार भवन फतेहाबाद में संपन्न हुई। इस मीटिंग का संचालन जिला सचिव रामनिवास शर्मा ने किया। मीटिंग में मुख्य एजेंडा सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के 17वें राज्य प्रतिनिधि सम्मेलन की तैयारियों को लेकर चर्चा करना रहा। संघ का 17वां राज्य प्रतिनिधि सम्मेलन 19 से 21 दिसंबर तक को सिरसा में हिसार रोड स्थित शारदा पैलेस में होने जा रहा है।

इसकी तैयारियों को लेकर मीटिंग में विस्तार पूर्वक विचार विमर्श किया गया। संगठनकर्ता भूप सिंह भडोलावाली ने राज्य स्तरीय सम्मेलन की रूप रेखा पर विस्तार से बात रखी। उन्होंने कहा कि अबकी बार संघ के केवल डेलीगेट व विभागीय यूनियनों के सदस्यता अनुसार ही डेलीगेट शामिल होंगे।

आरटीओ के नाम से आ रहे फर्जी चालानों से रहें सतर्क : सिद्धांत जैन

■ फतेहाबाद पुलिस ने लोगों के लिए जारी की एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा आमजन को आरटीओ यानि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के नाम से आ रहे फर्जी चालान, साइबर ठगी मैसेज और कॉल को लेकर एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिला वासियों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी संदेश या कॉल से सतर्क रहें, जो आरटीओ या ट्रैफिक पुलिस के नाम पर भेजा जा रहा हो।

एसपी ने बताया कि हाल के दिनों में जिले में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें साइबर ठगों द्वारा वाहन मालिकों को स्क्रू, व्हाट्सएप मैसेज या फोन कॉल कर यह कहा जा रहा है कि उनके वाहन का ट्रैफिक चालान लंबित है। इन संदेशों में एक लिंक भेजा जाता है और डराने वाली भाषा का इस्तेमाल करते हुए तुरंत भुगतान करने को कहा जाता है। जैसे ही व्यक्ति उस लिंक पर क्लिक करता है, उससे बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी या यूपीआई पिन हासिल कर ठगी कर ली जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरटीओ या ट्रैफिक पुलिस कभी भी व्यक्तिगत मोबाइल नंबर से चालान भुगतान के लिए लिंक नहीं भेजती।

वीर बाल शहीदी दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता, सीएम से किया सीधा संवाद

■ गुरु गोविंद सिंह के जीवन चरित्र के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। वीर बाल शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल फतेहाबाद के बुनियाद विभाग में गुरु गोविंद सिंह जी के साहेब जादे के अदम्य साहस, जिनको मुगल शासक ने दीवार में जिंदा चुनवा दिया था, को याद करने के लिए जिला स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई ने भाग लिया वहीं अध्यक्षता गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल फतेहाबाद के प्रिंसिपल हरमिंद्र सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल फतेहाबाद के प्रिंसिपल कृष्ण कुमर उपस्थित थे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का अवलोकन मुख्यमंत्री ने ऑनलाईन किया और बच्चों के साथ प्रश्न-उत्तर किया। मुख्यमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह के साहेबजादे के जीवन पर पूर्ण प्रकाश डाला।

गुरुद्वारा श्री अजीतसर साहिब में शहीदी समागम 17 दिसंबर से

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रतिया

श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी को समर्पित करके गुरुद्वारा श्री अजीतसर साहिब में तीन दिवसीय 33वां गुरमति शहीदी समागम 17 से 19 दिसंबर तक बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार से मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए गुरू घर के कोषाध्यक्ष एवं एच एसजीएमसी के सदस्य इकबाल सिंह खोखर ने बताया कि समागमों में सुप्रसिद्ध कथावाचक भाई सरबजीत सिंह लुधियाना वाले, भाई इन्द्र जीत सिंह, बाबा मनमोहन प्रीत सिंह, ढाडी जत्था भाई सुख-चैन सिंह शीतल सहित रागी, ढाडी गुरुवाणी व्याख्यानों द्वारा संगतों को निहाल करेंगे। उन्होंने बताया कि समागमों में 20 श्री अखंड पाठ साहिब भी करवाए जाएंगे जो बारी अनुसार 13 दिसंबर से शुरू हो कर 19 दिसंबर को भोग डाले जाएंगे। 19 दिसंबर को रोटरी क्लब रतिया टाऊन द्वारा फ्री विशाल मेडिकल जांच कैंप लगाया जाएगा। जिसमें जहां प्रसिद्ध दंत स्पेशलिस्ट डॉ. पियुष अरोड़ा द्वारा दांतों की जांच फ्री की जाएगी वहीं लाइफ केयर फाउंडेशन मोहाली द्वारा किडनी के पांच टेस्ट, युरिक एसिड एवं शुगर के टेस्ट मुफ्त किए जाएंगे। उपाध्यक्ष राजविंदर सिंह चहल ने बताया कि इस अवसर पर सुप्रसिद्ध चित्रकार कृष्ण सिंह द्वारा हस्तचित्रित धार्मिक चित्र प्रदर्शनी भी देखने योग्य होगी। समागमों में गुरु का लंगर अटूट बरतेगा।

सर्व समाज सभा ने चलाया रिफ्लेक्टर लगाओ अभियान

■ सर्दी व धुंध को को लेकर लोगों को जागरूक भी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रतिया

सर्व समाज सभा रतिया द्वारा धुंध के मौसम को देखते हुए रिफ्लेक्टर लगाओ अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष सतपाल जिंदल ने की। इस अवसर पर हरियाणा अनुसूचित जाति कमीशन के चेयरमैन प्रो. रविंदर सिंह बलियाला एवं विधायक जरनैल सिंह विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभा के महासचिव डॉ नैब सिंह मंडेर ने स्वागत करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. रविन्द्र बलियाला ने कहा कि समाज सेवा को समर्पित कार्यों में सर्व समाज सभा का अग्रणी योगदान महत्वपूर्ण है। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि सर्व समाज सभा द्वारा धुंध के मौसम को देखते हुए रिफ्लेक्टर लगाने का अभियान चलाना लोगों की जान माल की सुरक्षा हेतु बड़ा कार्य हैं। सभा अध्यक्ष सतपाल जिंदल ने अतिथियों का स्वागत किया। ट्रैफिक पुलिस से मनोज शर्मा व अन्य ट्रैफिक कर्मचारियों का सहयोग रहा। प्रोजेक्ट चेयरमैन नरेंद्र ग्रोवर व एडवोकेट सुशील जैन ने बताया कि इस अभियान में 500 वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए है। इस अवसर पर कै. जगजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह नैन, शेर सिंह भुलर, अजमेर सिंह, जगजीत सिंह ढिल्लों, करनैल सिंह साग्गू व अन्य मौजूद रहे।

आर्य समाज मंदिर में ऋग्वेद पारायण यज्ञ का तृतीय दिवस

आर्य समाज मंदिर में वेदमंत्रों से गुंजायमान हुआ वातावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

आर्य समाज फतेहाबाद द्वारा स्वामी श्रद्धानंद जी के 100वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में सुंदर नगर स्थित आर्य समाज भवन में चल रहे चार दिवसीय ऋग्वेद पारायण यज्ञ के तीसरे दिन आयोजित कार्यक्रम में अनेक शहरवासियों ने भाग लिया और यज्ञ में आहूति डाली।

यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य प्रद्युम्न शास्त्री के सान्निध्य में ऋग्वेद के मंत्रों के साथ विशेष आहुतियां प्रदान की गई। आज के कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः काल वेदमंत्रों के सस्वर पाठ से हुई। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

फतेहाबाद। आर्य समाज भवन में आयोजित ऋग्वेद पारायण यज्ञ में भाग लेते सदस्य।

ब्रह्मचारी मनीष आर्य ने किया मंत्रों का पाठ

आर्य समाज के विद्वान पुरोहित दीपक शास्त्री एवं ब्रह्मचारी मनीष आर्य के द्वारा ऋग्वेद के मन्त्रों का पाठ किया गया। आज के यज्ञ में यजमान राजेश कुमार धर्मपत्नी सविता एवं अनेक माताएं बहनें उपस्थित रही

'ज्ञान और कर्म' का महत्व बताया

तीसरे दिन के यज्ञ में विशेष रूप से 'ज्ञान और कर्म' के समन्वय पर बल दिया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य प्रद्युम्न शास्त्री ने ऋग्वेद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वेद केवल हिंदुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, बल्कि ये संपूर्ण मानवता के लिए ज्ञान के अक्षय भंडार हैं। आचार्य प्रद्युम्न शास्त्री ने कहा कि जिस पर ईश्वर की कृपा होती है वही इस यज्ञ में शामिल होता है। प्राचीन काल में हर व्यक्ति अपने घर में यज्ञ किया करता था लेकिन जैसे-जैसे हम भौतिकता की ओर बढ़ते जा रहे हैं वैसे-वैसे हम आध्यात्मिकता से दूर होते जा रहे हैं जबकि होना ये चाहिए कि दोनों का संतुलन बना के चलें। आचार्य शास्त्री ने कहा कि यज्ञ इस ब्रह्माण्ड की नकल है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने उन्नीसवीं शताब्दी में इस सोई हुई परंपरा को पुनः जागृत किया। ऐसे में हमारा भी कर्तव्य बनता है कि उनके पदचिन्हों पर चलकर सनातन संस्कृति को जीवित रखें।

राष्ट्र प्रेम के भजनों से भावविभोर

कार्यक्रम में आर्य समाज के भजनोपदेशकों ने अपनी मधुर वाणी से ईश्वर भक्ति और राष्ट्र प्रेम के भजनों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। यज्ञ उपरांत ऋषि लंगर का वितरण किया गया, जिसमें शहर के गणमान्य नागरिकों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आर्य समाज फतेहाबाद के प्रधान अरूण ग्रोवर ने कहा कि हम अपने जीवन में जब श्रेष्ठ कर्म करते हैं तो समाज के भीतर से अनेक बुराईयां अपने आप कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस यज्ञ का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति और पर्यावरण की शुद्धि है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि 14 दिसंबर को कार्यक्रम के समापन पर अधिक से अधिक संख्या में पधारकर पुण्य लाभ कमाएं। कार्यक्रम का समापन 14 दिसंबर रविवार को होगा। इस दिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूर्णाहूति के बाद लंगर प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर आर्य समाज की कार्यकारिणी के सदस्य और बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 दिसंबर 2025

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेष: विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता
शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। ऊर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन द्वारा संभव है
कैंसर का इलाज बिना किमो-बिना रेडिएशन

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा के साथ
कैंसर को दें मात
सबसे सुरक्षित व प्रभावी इलाज

देवी अहिल्या कैंसर अस्पताल इंदौर

NO CHEMO THERAPY
- स्पष्ट प्रभाव परिणाम
- कम खर्चिला
- उच्चतम सफलता दर
- कैंसर की अंतिम स्टेज पर भी प्रभावशाली उपाय

NO RADIO THERAPY
- दर्द रहित इलाज
- कोई दुष्प्रभाव नहीं
- सफल इलाज के रिकार्डस
- अच्छे अनुभवी डॉक्टर

www.dahrc.in

HELPLINE 9584040131
कैंसर की जंग में हम आपके साथ हैं ...

1, आनंद नगर, चितावद, नेमावर रोड, नवलखा, इंदौर
फोन-0731-4084422 | 9685029784

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
नंदन कानन वन

कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

देश में और भी हैं नंदन वन

जहां तक हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

चिंता-तनाव को करें दूर रहें हमेशा टेंशन-फ्री

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

किसी अजनबी की तारीफ करें: न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

कम गहरे रिश्तों को दें महत्व: हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

विचारों का विश्लेषण करें: विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

खुद को शक्तिशाली समझें: अकसर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

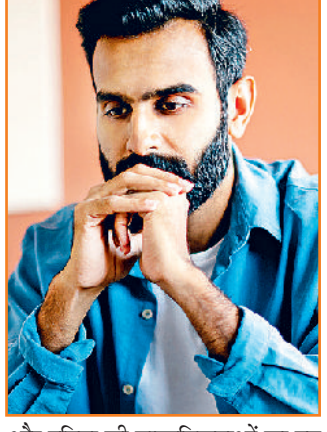

रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें: आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें: बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

फैशनेबल दिखाएं: इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

हाथों को देते हैं गर्माइश: सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं।

शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

टच स्क्रीन ग्लव्स: आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

बाइक राइडर के लिए: सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

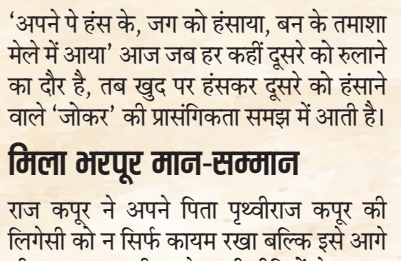

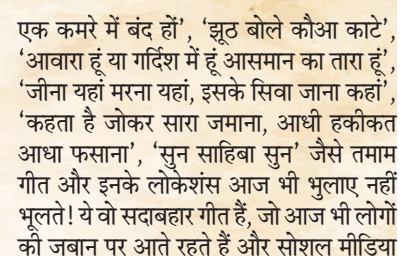

मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवाड्र्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *